Devi Skandmata: मंत्र, प्रार्थना, स्तुति, ध्यान, स्तोत्र, कवच और आरती

देवी स्कंदमाता मंत्र

ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः॥

Om Devi Skandamatayai Namah॥

देवी स्कंदमाता प्रार्थना

सिंहासनगता नित्यं पद्माञ्चित करद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

Simhasanagata Nityam Padmanchita Karadvaya।
Shubhadastu Sada Devi Skandamata Yashasvini॥

देवी स्कंदमाता स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥
t
Ya Devi Sarvabhuteshu Ma Skandamata Rupena Samsthita।
Namastasyai Namastasyai Namastasyai Namo Namah॥

देवी स्कंदमाता ध्यान

वन्दे वाञ्छित कामार्थे चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
सिंहरूढ़ा चतुर्भुजा स्कन्दमाता यशस्विनीम्॥

धवलवर्णा विशुध्द चक्रस्थितों पञ्चम दुर्गा त्रिनेत्राम्।
अभय पद्म युग्म करां दक्षिण उरू पुत्रधराम् भजेम्॥

पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालङ्कार भूषिताम्।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल धारिणीम्॥

प्रफुल्ल वन्दना पल्लवाधरां कान्त कपोलाम् पीन पयोधराम्।
कमनीयां लावण्यां चारू त्रिवली नितम्बनीम्॥

Vande Vanchhita Kamarthe Chandrardhakritashekharam।
Simharudha Chaturbhuja Skandamata Yashasvinim॥

eAstroHelp

**Dhawalavarna Vishuddha Chakrasthitom
Panchama Durga Trinetram।
Abhaya Padma Yugma Karam Dakshina Uru
Putradharam Bhajem॥**

**Patambara Paridhanam Mriduhasya
Nanalankara Bhushitam।
Manjira, Hara, Keyura, Kinkini, Ratnakundala
Dharinim॥**

**Praphulla Vandana Pallavadharam Kanta
Kapolam Pina Payodharam।
Kamaniyam Lavanyam Charu Triwali
Nitambanim॥**

देवी स्कंदमाता स्तोत्र

**नमामि स्कन्दमाता स्कन्दधारिणीम्।
समग्रतत्वसागरम् पारपारगहराम्॥**

**शिवाप्रभा समुज्वलां स्फुच्छशागशेखराम्।
ललाटरत्नभास्करां जगत्प्रदीप्ति भास्कराम्॥**

**महेन्द्रकश्यपार्चितां सनत्कुमार संस्तुताम्।
सुरासुरेन्द्रवन्दिता यथार्थनिर्मलाद्भुताम्॥**

**अतर्क्यरोचिरूविजां विकार दोषवर्जिताम्।
मुमुक्षुभिर्विचिन्तितां विशेषतत्वमुचिताम्॥**

**नानालङ्कार भूषिताम् मृगेन्द्रवाहनाग्रजाम्।
सुशुध्दतत्वतोषणां त्रिवेदमार भूषणाम्॥**

**सुधार्मिकौपकारिणी सुरेन्द्र वैरिघातिनीम्।
शुभां पुष्पमालिनीं सुवर्णकल्पशाखिनीम्॥**

**तमोऽन्धकारयामिनीं शिवस्वभावकामिनीम्।
सहस्रसूर्यराजिकां धनज्जयोग्रकारिकाम्॥**

**सुशुध्द काल कन्दला सुभूडवृन्दमज्जुलाम्।
प्रजायिनी प्रजावति नमामि मातरम् सतीम्॥**

**स्वकर्मकारणे गतिं हरिप्रयाच पार्वतीम्।
अनन्तशक्ति कान्तिदां यशोअर्थभुक्तिमुक्तिदाम्॥**

**पुनः पुनर्जगद्धितां नमाम्यहम् सुरार्चिताम्।
जयेश्वरि त्रिलोचने प्रसीद देवी पाहिमाम्॥**

**Namami Skandamata Skandadharinim।
Samagratatvasagaram Paraparagaharam॥**

**Shivaprabha Samujvalam
Sphuchchhashagashekharam।
Lalataratnabhaskaram Jagatpradipti
Bhaskaram॥**

eAstroHelp

Mahendrakashyaparchita Sanantakumara
Samstutam।
Surasurendravandita
Yatharthanirmaladbhutam॥

Atarkyarochiruvijam Vikara Doshavarjitam।
Mumukshubhirvichintitam
Visheshatatvamuchitam॥

Nanalankara Bhushitam
Mrigendravahanagrajam।
Sushuddhatatvatoshanam Trivedamara
Bhushanam॥

Sudharmikaupakarini Surendra
Vairighatinim।
Shubham Pushpamalinim
Suvarnakalpashakhinim॥

Tamoandhakarayamini
Shivasvabhavakaminim।
Sahasrasuryarajikam Dhanajjayogakarikam॥

Sushuddha Kala Kandala
Subhridavrindamajjulam।
Prajayini Prajawati Namami Mataram Satim॥

Swakarmakarane Gatim Hariprayacha
Parvatim।
Anantashakti Kantidam
Yashoarthabhuktimuktidam॥

Punah Punarjagadditam Namamyaham
Surarchitam।
Jayeshwari Trilochane Prasida Devi
Pahimam॥

देवी स्कंदमाता कवच

ऐं बीजालिंका देवी पदयुग्मधरापरा।
हृदयम् पातु सा देवी कार्तिकेययुता॥

श्री ह्रीं हुं ऐं देवी पर्वस्या पातु सर्वदा।
सर्वाङ्ग में सदा पातु स्कन्दमाता पुत्रप्रदा॥

वाणवाणामृते हुं फट् बीज समन्विता।
उत्तरस्या तथाग्ने च वारुणे नैऋतेअवतु॥

इन्द्राणी भैरवी चैवासिताङ्गी च संहारिणी।
सर्वदा पातु मां देवी चान्यान्यासु हि दिक्षु वै॥

Aim Bijalinka Devi Padayugmadharapara।
Hridayam Patu Sa Devi Kartikeyayuta॥

eAstroHelp

Shri Hrim Hum Aim Devi Parvasya Patu Sarvada।
Sarvanga Mein Sada Patu Skandamata Putraprada॥
Vanavanamritem Hum Phat Bija Samanvita।
Uttarasya Tathagne Cha Varune Nairiteavatu॥

Indrani Bhairavi Chaivasitangi Cha Samharini।
Sarvada Patu Mam Devi Chanyanyasu Hi Dikshu Vai॥

देवी स्कंदमाता आरती

जय तेरी हो स्कन्द माता। पांचवां नाम तुम्हारा आता॥
सबके मन की जानन हारी। जग जननी सबकी महतारी॥
तेरी जोत जलाता रहूं मैं। हरदम तुझे ध्याता रहूं मै॥
कई नामों से तुझे पुकारा। मुझे एक है तेरा सहारा॥
कही पहाड़ों पर है डेरा। कई शहरों में तेरा बसेरा॥
हर मन्दिर में तेरे नजारे। गुण गाए तेरे भक्त प्यारे॥
भक्ति अपनी मुझे दिला दो। शक्ति मेरी बिगड़ी बना दो॥
इन्द्र आदि देवता मिल सारे। करे पुकार तुम्हारे द्वारे॥
दुष्ट दैत्य जब चढ़ कर आए। तू ही खण्ड हाथ उठाए॥
दासों को सदा बचाने आयी। भक्त की आस पुजाने आयी॥

t

eAstroHelp